

एबेल पुरस्कार विजेताओं की सूची (वर्ष 2003 से अब तक)

[S samanyagyan.com/hindi/gk-abel-prize-winners-in-mathematics](http://samanyagyan.com/hindi/gk-abel-prize-winners-in-mathematics)

एबेल पुरस्कार विजेता – Abel Prize winners in Mathematics in Hindi

एबेल पुरस्कार क्या है?

एबेल पुरस्कार यूरोप महाद्वीप के उत्तरी भाग में स्थित नॉर्वे सरकार द्वारा प्रतिवर्ष विश्व के प्रसिद्ध गणितज्ञों को दिया जाने वाला एक प्रतिष्ठित सम्मान है।

एबेल पुरस्कार का संछिप्त विवरण

पुरस्कार का वर्ग	गणितज्ञ
स्थापना वर्ष	23 अगस्त 2001
पुरस्कार राशि	6 मिलियन नार्वेजियन क्रोनर (7 लाख 76 हजार अमेरिकी डॉलर)
देश	नॉर्वे
प्रथम विजेता	जीन पियरे सेरे
आखिरी विजेता	हिलेल फस्टेनबर्ग और ग्रेगरी मार्गुलिस (2020)

एबेल पुरस्कार की शुरुआत कब हुई थी?

एबेल पुरस्कार की शुरुआत 23 अगस्त 2001 में नॉर्वे के सबसे प्रसिद्ध गणितज्ञ “नील्स हेनरिक एबेल” के सम्मान में हुई थी। तब से ही हर साल नॉर्वे सरकार द्वारा एक या एक से अधिक गणितज्ञों को दिया जाता है। इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले प्रथम व्यक्ति “जीन पियरे सेरे” थे, जिन्हें गणित के कई हिस्सों जैसे टोपोलॉजी, बीजीय ज्यामिति और संख्या सिद्धांत को आधुनिक रूप देने के लिए साल 2003 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

एबेल पुरस्कार 2018 के विजेता:

साल 2018 में गणित का एबेल पुरस्कार कनाडा के गणितज्ञ “रॉबर्ट पी. लांगलैंड्स” को दिया गया था। इन्हें यह पुरस्कार रिप्रेसेंटेशन थ्योरी से नंबर थ्योरी को जोड़ने के अपने दूरदर्शी प्रोजेक्ट के लिए दिया जाएगा। रॉबर्ट पी. लांगलैंड्स को यह पुरस्कार 22 मई, 2018 को ओस्लो में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में नॉर्वे के राजा हेराल्ड वी द्वारा प्रदान किया जाएगा।

एबेल पुरस्कार 2019 के विजेता:

साल 2019 में गणित का एबेल पुरस्कार एक अमेरिकी गणितज्ञ और आधुनिक ज्यामितीय विश्लेषण के संस्थापक “करेन केस्कुल्ला उहलेनबेक” को दिया गया है। इन्हें यह पुरस्कार “ज्यामितीय आंशिक अंतर समीकरणों, गेज सिद्धांत और पूर्णांक प्रणालियों में उनकी अग्रणी

उपलब्धियों के लिए, और विश्लेषण, ज्यामिति और गणितीय भौतिकी पर उनके काम के मौलिक प्रभाव के लिए।” दिया गया है। वह ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय में गणित की प्रोफेसर एमेरिटस हैं, जहां उन्होंने सिड डब्ल्यू रिचर्डसन फाउंडेशन रीजेंट्स चेयर का आयोजन किया। वह वर्तमान में इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी में एक प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर और प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में एक वरिष्ठ रिसर्च स्कॉलर भी हैं।

एबेल पुरस्कार 2020 के विजेता:

18 मार्च 2020 को दो गणितज्ञों इजरायल के हिलेल फस्टेनबर्ग एवं रूसी-अमेरिकी ग्रेगरी मार्गुलिस को वर्ष 2020 के एबेल पुरस्कार से उनके “समूह सिद्धांत, संख्या सिद्धांत तथा कम्बिनेटोरिक्स में प्रायिकता एवं डायनामिक्स से पद्धतियों के प्रयोग” के लिए सम्मानित किया गया है।

वर्ष 2003 से अब तक एबेल पुरस्कार विजेताओं की सूची:

साल	विजेता का नाम	उपलब्धि
2020	हिलेल फस्टेनबर्ग और ग्रेगरी मार्गुलिस	“समूह सिद्धांत, संख्या सिद्धांत तथा कम्बिनेटोरिक्स में प्रायिकता एवं डायनामिक्स से पद्धतियों के प्रयोग।”
2019	करेन उहलेनबेक	“ज्यामितीय आंशिक अंतर समीकरणों, गेज सिद्धांत और पूर्णांक प्रणालियों में उनकी अग्रणी उपलब्धियों के लिए, और विश्लेषण, ज्यामिति और गणितीय भौतिकी पर उनके काम के मौलिक प्रभाव के लिए।”
2018	रॉबर्ट पी. लांगलैंड्स	रिप्रेसेंटेशन थ्योरी से नंबर थ्योरी को जोड़ने वाले प्रोजेक्ट के लिए।
2017	यवेस मेयर	तरंगिकाओं (छोटे लहरों) के गणितीय सिद्धांत के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए।
2016	एंड्रयू विल्स	अर्द्ध-स्थायी (semi stable) दीर्घवृत्तीय वक्र के लिए मॉड्यूलरिटी अनुमान के माध्यम से फर्मट के अंतिम प्रमेय के शानदार प्रमाण के द्वारा संख्या सिद्धांत में एक नए युग की शुरुआत करने के लिए।
2015	जॉन एफ नैश, जूनियर लुई निरेनबर्ग	ज्यामितीय विश्लेषण के लिए गैररेखीय आंशिक अंतर समीकरणों के सिद्धांत और उनके अनुप्रयोगों में अभूतपूर्व और मौलिक योगदान देने के लिए।

2014	याकॉव सीनार्ड	गतिशील प्रणालियों, एर्गोडिक सिद्धांत और गणितीय भौतिकी के क्षेत्र में मौलिक योगदान देने के लिए।
2013	पियरे डेलिग्ने	बीजीय रेखागणित और संख्या सिद्धांत पर उसके परिवर्तनकारी प्रभाव, प्रतिनिधित्व सिद्धांत और संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए।
2012	एंड्रे ज़ेमेरेडी	असंतत गणित और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान में योगदान के लिए और योज्य/संकलन (additive) संख्या सिद्धांत और एर्गोडिक सिद्धांत (ergodic theory) पर इन योगदानों के गहरा और स्थायी प्रभाव की पहचान करने के लिए।
2011	जॉन मिलनॉर	टोपोलॉजी, ज्यामिति और बीजगणित में उल्लेखनीय खोजों के लिए।
2010	जॉन टेट	संख्याओं के सिद्धांत पर अपने विस्तृत और स्थायी प्रभाव के लिए।
2009	मिखाइल ग्रोमोव	ज्यामिति में क्रांतिकारी योगदान देने के लिए।
2008	जॉन जी थॉम्पसन, जैक्स टिट्स	बीजगणित में गहन उपलब्धियों के लिए और विशेष रूप से आधुनिक समूह सिद्धांत को आकार देने के लिए।
2007	एस. आर. श्रीनिवास वर्धन	प्रायिकता सिद्धांत में योगदान देने के लिए और विशेष रूप से बड़े विचलन के एक एकीकृत सिद्धांत बनाने के लिए।
2006	लैन्र्ट कार्लसन	हार्मोनिक विश्लेषण और चिकनी गतिशील प्रणालियों के सिद्धांत के लिए उनके गहन और महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
2005	पीटर लैक	आंशिक विभेदक समीकरणों के सिद्धांत तथा उनके कार्यान्वयन के लिए और इन समीकरणों की गणना हेतु महत्वपूर्ण योगदान के लिए।
2004	माइकल अतियाह और इसाडोर सिंगर	सूचकांक प्रमेय की खोज और प्रमाण के लिए, टोपोलॉजी, ज्यामिति और उसके विश्लेषण को एक साथ लाने के लिए तथा गणित और सैद्धांतिक भौतिकी के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु उनकी उत्कृष्ट भूमिका के लिए।

2003 जीन पियरे गणित के कई हिस्सों जैसे टोपोलॉजी, बीजीय रेखागणित और संख्या
सेरें सिद्धांत के आधुनिक रूप को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका
निभाने के लिए।

नीचे दिए गए प्रश्न और उत्तर प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। यह भाग हमें सुझाव देता है कि सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। यह प्रश्नोत्तरी एसएससी (SSC), यूपीएससी (UPSC), रेलवे (Railway), बैंकिंग (Banking) तथा अन्य परीक्षाओं में भी लाभदायक है।

एबेल पुरस्कार - महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर (FAQs):

प्रश्न: एबेल पुरस्कार के प्रथम विजेता कौन थे?

उत्तर: जिन पियरे सेरें

प्रश्न: एबेल पुरस्कार की स्थापना कब की गई थी?

उत्तर: 23 अगस्त 2001 को

प्रश्न: किस क्षेत्र में एबेल पुरस्कार दिया जाता है?

उत्तर: गणित में

प्रश्न: एबेल पुरस्कार की राशि कितनी होती है?

उत्तर: 6 मिलियन नार्वेजियन क्रोनर

प्रश्न: एबेल पुरस्कार किसके द्वारा दी जाती है?

उत्तर: नॉर्वे सरकार द्वारा

प्रश्न: किसके सम्मान में एबेल पुरस्कार की शुरुआत की गई थी?

उत्तर: निल्स हेनरिक एबल